

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

MVA मे राज ठाकरे की MNS की एंट्री की संभावना, शरद पवार ने विपक्षी गठबंधन के लिए जताया समर्थन

Publisher

Published on 21 Nov 2025



महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। विपक्षी गठबंधन **महाविकास आघाड़ी (MVA)** में राज ठाकरे की अगुवाई वाली **महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS)** की संभावित एंट्री की चर्चा जोर पकड़ रही है। एनसीपी प्रमुख **शरद पवार** ने हाल ही में कांग्रेस नेताओं से मुलाकात के दौरान MVA-MNS गठबंधन की वकालत की और कहा कि मुंबई बीएमसी चुनावों में सभी विपक्षी दलों को एकजुट होकर चुनाव लड़ना चाहिए।

शरद पवार के इस रुख ने महाराष्ट्र की राजनीतिक दिशा को नई चुनौती दी है। सूत्रों के अनुसार, पवार चाहते हैं कि MVA और MNS मिलकर चुनाव लड़ें, जिससे विपक्षी वोटों की एकजुटता बनी रहे। उनका यह भी मानना है कि जब सभी पार्टियां मिलकर वोटर लिस्ट में हो रही गड़बड़ी और वोटिंग प्रक्रियाओं में कन्फ्यूजन के खिलाफ एक साथ मार्च निकाल सकती हैं, तो चुनाव अलग-अलग लड़ने का कोई तर्क नहीं बनता।

राज ठाकरे की MNS की एंट्री से विपक्षी गठबंधन को मजबूती मिलने की संभावना है। इससे बीजेपी को नई रणनीति बनाने की जरूरत पड़ सकती है, खासकर मुंबई जैसे महत्वपूर्ण चुनावी क्षेत्र में। हालांकि, राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि MNS के साथ मिलकर लड़ने से कुछ उत्तर भारतीय वोट छिटक सकते हैं, लेकिन विपक्षी ताकतों को जोड़ना लंबे समय में लाभदायक साबित हो सकता है।

शरद पवार का यह रुख ऐसे समय में सामने आया है जब कांग्रेस ने मुंबई बीएमसी चुनावों में अकेले उतरने का ऐलान कर दिया है। वहीं समाजवादी पार्टी भी सपा मुखिया **अखिलेश यादव** की अगुवाई में अकेले चुनाव लड़ने की योजना बना रही है। ऐसे में MVA और MNS का सहयोग विपक्षी मोर्चे को मजबूत कर सकता है।

सूत्रों के अनुसार, शरद पवार ने स्पष्ट किया कि मुंबई बीएमसी चुनाव एमवीए के रूप में लड़ा जाना चाहिए। उनका यह रुख विपक्षी

दलों के बीच एकजुटता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से है। उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि जब सभी दल मिलकर वोटर लिस्ट की समस्याओं और वोटिंग प्रक्रिया में हो रही गड़बड़ियों के खिलाफ एकजुट होकर मार्च निकाल सकते हैं, तो वे चुनाव अलग-अलग क्यों लड़ रहे हैं।

राज ठाकरे ने अभी तक इस प्रस्ताव पर कोई खुला विरोध नहीं जताया है। उन्होंने अपने भाई अजित पवार को निशाने पर लिया है, लेकिन शरद पवार के खिलाफ कोई उल्टी टिप्पणी नहीं की है। इससे संकेत मिलता है कि MVA-MNS गठबंधन के लिए बातचीत और समझौते की संभावनाएं बनी हुई हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि MNS MVA में शामिल होती है, तो यह मुंबई बीएमसी चुनाव के नक्शे को पूरी तरह बदल सकता है। बीजेपी को नए रणनीतिक मोड़ अपनाने पड़ सकते हैं और विपक्ष को वोट साझा करने में मदद मिल सकती है। इससे न केवल चुनाव परिणाम प्रभावित होंगे, बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति में लंबे समय तक इसके असर दिखाई देंगे।

राजनीतिक गलियारे में यह चर्चा भी तेज हो गई है कि MVA और MNS का सहयोग केवल बीएमसी तक सीमित नहीं रह सकता। भविष्य में यह गठबंधन राज्य की अन्य चुनावी लड़ाइयों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। शरद पवार की सक्रियता और MNS के सकारात्मक संकेतों से यह संभावना और मजबूत हुई है।

मुंबई के स्थानीय राजनीतिक विश्लेषक कहते हैं कि शरद पवार का यह रुख विपक्ष के लिए नई उम्मीद की किरण लेकर आया है। MVA-MNS गठबंधन से वोटर बेस का विस्तार होगा और विपक्षी ताकतों की प्रभावशीलता बढ़ेगी। हालांकि, अंतिम फैसला अभी बाकी है और राजनीतिक दलों के बीच अंतिम समझौते के बाद ही इसका असर स्पष्ट होगा।

इस पूरे परिदृश्य को देखते हुए महाराष्ट्र की राजनीति आगामी बीएमसी चुनावों के लिए नई रणनीतियों और संभावनाओं के साथ तैयार हो रही है। MVA-MNS गठबंधन की संभावित एंट्री न केवल विपक्षी मोर्चे को मजबूत करेगी, बल्कि बीजेपी के लिए भी चुनौतीपूर्ण स्थिति पैदा करेगी।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.